उत्तर पत्रिका

Answer Key

प्रश्न 1. (क) जॉन साइमन

Ques1. (a) John Simon

प्रश्न 2. (ख) पंडित नेहरू

Ques 2. Pandit Nehru

प्रश्न 3. (ख) 1991 में

Ques 3. (b) In 1991

प्रश्न 4. (क) ऑपरेशन विजय

Ques 4. (a) Operation Vijay

प्रश्न 5. (ख) 1969

Ques 5. (b) 1969

प्रश्न 6. (ग) हरियाणा

Ques 6. (c)Haryana

प्रश्न 7. (ख) 31 अक्टूबर 1984

Ques 7. (b) 31 October 1984

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 8. (ख) पंजाब

Ques 8. (b) Punjab

प्रश्न 9. (ख) ख) अभिकथन और कारण दोनों सही है लेकिन कारण अभिकथन की सही व्याख्या नहीं करता।

Ques 9. (b) Both assertion and reason are correct but the reason does not explain the assertion correctly.

प्रश्न 10. (ख) स्व. जय प्रकाश नारायण

Ques 10. Sav. Jai Prakash Narayan

प्रश्न 11. अल्बानिया

Ques 11. Albania

प्रश्न 12. दस

Ques 12. Ten

प्रश्न 13. स्पेशल इकोनॉमी जोन

Ques 13. Special Economy Zone

प्रश्न 14. 1991

Ques 14. 1991

प्रश्न 15. काठमांडू (नेपाल)

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

Ques 15. Kathmandu (Nepal)

प्रश्न 16. असत्य

Ques 16. False

प्रश्न 17. सत्य

Ques 17. True

प्रश्न 18. असत्य

Ques 18. False

प्रश्न 19. अधिक

Ques 19. Stubrun

प्रश्न 20. ब्राजील

Ques 20. Brazil

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 21. वर्तमान पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर सीमा प्रान्त के निर्विवाद नेता खान अब्दुल गफ्फार खान को 'सीमान्त गाँधी' कहा जाता था। वे 'द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त' को बिल्कुल भी नहीं मानते थे और नहीं चाहते थे कि उनके प्रान्त को पाकिस्तान में शामिल किया जाए।

Question 21. Khan Abdul Gaffer Khan, the undisputed leader of the North-West Frontier Province of present-day Pakistan, was called 'Frontier Gandhi'. He did not believe in the 'two-nation theory' at all and did not want his province to be included in Pakistan.

प्रश्न 22. 1. भारत में बहु- दलीय व्यवस्था है

2. भारत में राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है।

Ques 22. 1. India has a multiparty system.

2. There is lack of internal democracy in political parties in India.

प्रश्न 23. देसी रियासतो के भारत मे विलय के समय भारत सरकार ने इनके शासको को यह आश्वासन दिया था कि वे निश्चित मात्रा मे निजी संपति रख सकेगे और उन्हें सरकार की ओर से कुछ भते भी दिए जाएंगे देशी शासको को प्राप्त ये सुविधाएं प्रीवि पर्स कहलाती थी।

Question 23. At the time of merger of the native princely states into India, the Government of India had assured their rulers that they would be able to keep a certain amount of personal property and they would also be given some allowances from the government. These facilities received by the native rulers were called Privy Purse. Was.

प्रश्न 24. वचनबद्ध न्यायपालिका से हमारा अभिप्राय उस न्यायपालिका से होता है, जो सतारूढ दल के प्रति निष्ठावान होती है और जो उसके निर्देशो एवं आदेशो के अनुसार निर्णय देती है। इस प्रकार की न्यायपालिका मुकदमों का फैसला स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से नहीं, बल्कि सतारूढ दल की विचारधारा के अनुसार करती हैं।

Question 24. By committed judiciary we mean that judiciary which is loyal to the ruling party and which gives decisions as per its instructions and orders. This type of judiciary does not decide cases independently and impartially, but according to the ideology of the ruling party.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

अथवा

OR

प्रमुख कारण थे- 1. इन्दिरा गाँधी के लोक सभा चुनाव को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल खण्डपीठ ने 12 जून, 1975 को अवैध घोषित कर दिया था, जिसका अर्थ था उनके द्वारा पद छोड़ देना।

2. उच्च न्यायालय का निर्णय आ जाने के बाद, विपक्षी दल इन्दिरा गाँधी से पद छोड़ने की माँग करने लगे थे। 3. सरकार के विरुद्ध जे. पी. आन्दोलन जारी था। जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में विशाल 'संसद मार्च' का आयोजन सरकार के विरुद्ध किया जा चुका था।

1. Indira Gandhi's Lok Sabha election was declared illegal by the single bench of the Allahabad High Court on June 12, 1975, which meant that she had to step down from the post.

2. After the decision of the High Court, opposition parties started demanding Indira Gandhi to step down

प्रश्न 25. (i) हथियारों की होड़ को बढ़ावा

(ii) युद्धों को बढ़ावा

Ques 25. 1. Promotion of arms race.

2.Promotion of wars.

अथवा

OR

मध्य एशियाई देश:- कजाकिस्तान , किर्गिस्तान , ताजिकिस्तान , तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान

Central Asian countries:- Kazakhstan, Kyrgyzstan, Tajikistan, Turkmenistan and Uzbekistan

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 26. सार्क (दक्षेस) की स्थापना के दो मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

1. दक्षिण एशिया की जनता के कल्याण एवं जीवन-स्तर को सुधारना।
2. दक्षिण एशिया के देशों के मध्य सामूहिक आत्म निर्भरता को बढ़ाना।

1. To improve the welfare and standard of living of the people of South Asia.
2. To increase collective self-reliance among the countries of South Asia.

प्रश्न 27. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की आवश्यकता के दो प्रमुख कारण है-

(i) विभिन्न राज्यों के मध्य होने वाले विवादों के शान्तिपूर्ण समाधान के लिए।

(ii) कुछ चुनौतीपूर्ण मुद्दों (वैश्विक तापन, बीमारियों) का मिलकर सामना करने के लिए।

Question 27. There are two main reasons for the need for international organisations:

(i) For peaceful resolution of disputes between different states.
(ii) To jointly tackle certain challenging issues (global warming, diseases).

प्रश्न 28. विश्व के मैकडोनाल्डीकरण का अभिप्राय यह है कि वैश्वीकरण के इस दौर में शक्तिशाली देशों विशेषकर अमेरिका की संस्कृति का विश्व में प्रसार हुआ है। इससे विश्व की विभिन्न संस्कृतियों के अस्तित्व को खतरा पहुंचा है। मैकडोनाल्डीकरण के अंतर्गत विभिन्न देशों के रीति रिवाज, खान पान आदि इस तरह से ढलते जा रहे हैं, जैसा कि अमेरिका चाहता है।

Question 28. McDonaldization of the world means that in this era of globalization, the culture of powerful countries, especially America, has spread in the world. This has endangered the existence of various cultures of the world. Under McDonaldization, the customs, food habits etc. of various countries are being molded in the way America wants.

अथवा

OR

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

वैश्वीकरण- एक अवधारणा के रूप में वैश्वीकरण से हमारा अभिप्राय है- किसी विचार, वस्तु, पूंजी एवं बौधिक संपदा की एक देश से दूसरे देश में बिना किसी प्रतिबंध के आवाजाही। वैश्वीकरण के अंतर्गत विभिन्न देशों के मध्य स्वतंत्र रूप से व्यापार का संचालन किया जाता है, जो किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा निर्धारित नियमो के अधीन होता है।

Globalization- As a concept, we mean the movement of ideas, goods, capital and intellectual property from one country to another without any restriction. Under globalization, trade is conducted freely between different countries, which is subject to the rules set by an international institution.

प्रश्न 29 1. शिक्षा प्रणाली में ऐसे सुधार किए जाएँ, जिससे कि देशवासियों का दृष्टिकोण व्यापक हो जाए।

2.पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर विशेष रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि सन्तुलित विकास हो सके।

3.बेरोजगारी एवं गरीबी की समस्या का निदान किया जाना चाहिए, ताकि लोगों में असन्तोष न पनपे।

4.प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाते हुए स्वच्छ एवं पारदर्शी प्रशासन स्थापित किया जाना चाहिए।

Question 29 1. Such reforms should be made in the education system so that the outlook of the countrymen becomes broad.

2.Special attention should be paid to the development of backward areas so that balanced development can take place.

3. The problem of unemployment and poverty should be solved so that discontent does not grow among the people.

4. Clean and transparent administration should be established by curbing administrative corruption.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 30. 1. नियोजन के द्वारा आर्थिक एवं सामाजिक जीवन के विभिन्न अंगों में समन्वय स्थापित करके समाज की उन्नति की जा सकती थी।

2.नियोजन के माध्यम से कम साधनों द्वारा आधिकारिक उत्पादन किया जा सकता था।

3.नियोजन के द्वारा राज्य को कल्याणकारी राज्य के रूप में स्थापित किया जा सकता था।

Question 30. 1. Through planning, the society could be improved by establishing coordination between various parts of economic and social life.

2.Through planning, official production could be done with less resources.

3.Through planning, the state could be established as a welfare state.

अथवा

प्रश्न 30. योजना आयोग के चार मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं-

1. सामाजिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए देश के विकास के लिए ऐसी योजनाएँ तैयार करना, जिनसे सामाजिक एवं आर्थिक न्याय कायम हो सके।
2. देश के भौतिक, मानवीय एवं तकनीकी संसाधनों का अनुमान लगाना और जो संसाधन राष्ट्रीय आवश्यकताओं की तुलना में कम दिखायी पडते हो, उनकी वृद्धि की सम्भावनाएँ तलाशना।
3. समय पर चालू पंचवर्षीय योजना की प्रगति का मूल्यांकन करना और नीति एवं उपायों में आवश्यक ताल-मेल बैठाना।

The four main functions of the Planning Commission are as follows:

1. Keeping in mind the social and political conditions, to prepare such plans for the development of the country, which can establish social and economic justice.
2. To estimate the physical, human and technical resources of the country and to find the possibilities of increasing those resources which appear to be less than the national needs.
3. To evaluate the progress of the current five-year plan on time and to make necessary coordination between policies and measures.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 31. प्रमुख कारण थे- 1. इन्दिरा गाँधी के लोक सभा चुनाव को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एकल खण्डपीठ ने 12 जून, 1975 को अवैध घोषित कर दिया था, जिसका अर्थ था उनके द्वारा पद छोड़ देना।

2.उच्च न्यायालय का निर्णय आ जाने के बाद, विपक्षी दल इन्दिरा गाँधी से पद छोड़ने की माँग करने लगे थे।

3. सरकार के विरुद्ध जे. पी. आन्दोलन जारी था। जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में विशाल 'संसद मार्च' का आयोजन सरकार के विरुद्ध किया जा चुका था।

Ques 31. 1. Indira Gandhi's Lok Sabha election was declared illegal by the single bench of the Allahabad High Court on June 12, 1975, which meant that she had to step down from the post.

2. After the decision of the High Court, opposition parties started demanding Indira Gandhi to step down.

3. JP movement was going on against the government. A huge 'Parliament March' had been organised against the government under the leadership of Jai Prakash Narayan.

प्रश्न 32. गठबन्धन राजनीति से हमारा अभिप्राय उस राजनीति से होता है, जिसमें सत्ता-प्राप्ति के उद्देश्य से विभिन्न राजनीतिक दल आम चुनावों से पहले या आम चुनावों के बाद गठबन्धनों (Alliances) का निर्माण करते हैं और आम चुनावों में जो गठबन्धन संयुक्त रूप से बहुमत प्राप्त कर लेता है, वह केन्द्र या राज्य स्तर पर सरकार का गठन करता है। गठबन्धन राजनीति अस्थिर किस्म की राजनीति होती है, क्योंकि इसमें पुराने गठबन्धन टूटते रहते हैं और उनकी जगह नए गठबन्धन लेते रहते है, क्योंकि गठबन्धनों का निर्माण वैचारिक आधार पर नहीं होता है।

Ques 32. By coalition politics, we mean that politics in which, with the aim of gaining power, different political parties form alliances before or after the general elections and the alliance which jointly gets majority in the general elections. He forms the government at the central or state level. Coalition politics is an unstable type of politics, because in it old alliances keep breaking

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

and new alliances keep taking their place, because alliances are not formed on ideological basis.

प्रश्न 33. 1. सम्बन्धित क्षेत्र के देशों का आर्थिक विकास करना।

2. . सम्बन्धित क्षेत्र के देशों के मध्य साझा व्यापार विकसित करना।

3.सम्बन्धित क्षेत्र के देशों के मध्य सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा।

Ques 33. 1.To achieve economic development of the countries of the respective region.

2 . To develop joint trade among the countries of the respective region.

3.To promote social, economic and cultural cooperation among the countries of the respective

अथवा

OR

चीन 1914 में तय की गई मैक मोहन सीमा रेखा को अस्वीकार करता है। 1959 में चीन द्वारा भारत के लद्दाख एवं नेफा (वर्तमान अरुणाचल प्रदेश) क्षेत्र के 1,28,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर दावा पेश किया गया था। चीन ने अक्टूबर, 1962 में भारत पर आक्रमण किया और लद्दाख के अक्साई चीन क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। अब भारत का लगभग 90,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र चीन के नियंत्रण में है।

China rejects the McMahon Line drawn in 1914. In 1959, China claimed 1,28,000 sq km of India's Ladakh and NEFA (present-day Arunachal Pradesh) region. China invaded India in October 1962 and occupied the Aksai Chin region of Ladakh. Now about 90,000 sq km of India's area is under Chinese control.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 34. (1) कश्मीर समस्या-भारत कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताता है और पाकिस्तान इसे विवादित क्षेत्र बताता है और इसके समाधान के लिए जनमत-संग्रह की माँग करता है।

(ii) सीमा-पार आतंकवाद-पाकिस्तान आतंकवादियों को प्रशिक्षण देकर भारत भेजता है और ये यहाँ आतंकवादी कार्रवाइयों को अंजाम देते हैं।

Ques 34. (1) Kashmir problem- India says Kashmir is an integral part of India and Pakistan says it is a disputed territory and demands a referendum to resolve it.

(ii) Cross-border terrorism- Pakistan trains terrorists and sends them to India and they carry out terrorist activities here.

प्रश्न 35. निषेधाधिकार का अर्थ किसी कार्य को रोकना होता है। संयुक्त राष्ट्र के सन्दर्भ में इसका अर्थ है- सुरक्षा परिषद के किसी एक स्थायी सदस्य अथवा सदस्यों द्वारा सुरक्षा परिषद् को कोई फैसला लेने से रोकना। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार यदि सुरक्षा परिषद् द्वारा पारित किए जाने वाले किसी प्रस्ताव के विरोध में इसका एक में स्थानों सदस्य मतदान कर देगा, तो वह प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा।

Ques 35. Veto means to stop any action. In the context of the United Nations, it means that any one permanent member or members of the Security Council stop the Security Council from taking any decision. According to the Charter of the United Nations, if one of its permanent members votes against any resolution to be passed by the Security Council, then that resolution will not be passed.

अथवा

1 जनवरी, 1995 को स्थापित विश्व व्यापार संगठन विश्व व्यापार को नियमित एवं नियन्त्रित करने वाला एक संगठन है, जो सभी सदस्य राज्यों के लिए बिना किसी भेद-भाव के व्यापार करने की व्यवस्था करता है।

The World Trade Organization, established on January 1, 1995, is an organization that regulates and controls world trade. It is an organization which makes arrangements for all member states to do business without any discrimination.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

प्रश्न 36. सोवियत संघ के विघटन के दो तात्कालिक कारण थे-

1. सोवियत संघ के तत्कालिन राष्ट्रपति मिखाइल ने पुनर्रचना एंव खुलापन के आर्थिक एंव राजनीतिक सुधार किए थे।
2. सोवियत संघ के गणराज्यों की जनता में राष्ट्रवाद की भावना जन्म ले चुकी थी। इन गणराज्यों में राष्ट्रवादियों का असंतोष इस सीमा तक बढ चुका था कि इस पर शासकों का नियंत्रण नहीं रह गया था।

Ques 36. 1. The then President of Soviet Union Mikhail had carried out economic and political reforms of restructuring and openness.

2. The feeling of nationalism had taken birth among the people of the republics of Soviet Union. The discontent of the nationalists in these republics had increased to such an extent that the rulers had lost control over it.

प्रश्न 37. जब भारत स्वतन्त्र हुआ. तो यह आर्थिक एवं राजनीतिक दृष्टि से काफी पिछडा हुआ था। साथ ही, अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियाँ भी कुछ ऐसी ही थीं कि भारत को गुटनिरपेक्षता की नीति सार्थक लगी। भारत ने तीसरी दुनिया के देशों को लेकर गुटनिरपेक्ष आन्दोलन शुरू कर दिया। गुटनिरपेक्ष आन्दोलन उन निर्गुट देशों का आन्दोलन है, जो गुट राजनीति से दूर रहते हुए अपने हितों की पूर्ति के लिए प्रयासरत हैं-

भारत द्वारा गुट निरपेक्ष को नीति अपनाने के निम्नलिखित कारण रहे हैं

1. आर्थिक पुनर्निर्माण-लम्बे समय तक औपनिवेशिक शोषण का शिकार रहने और देश का विभाजन होने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गयी थी। ऐसे में देश का आर्थिक विकास किया जाना जरूरी था और यह कार्य किसी भी गुट में शामिल हुए बिना आसानी से किया जा सकता था।

2. स्वतंत्र नीति-निर्धारण-अगर भारत गुटनिरपेक्षता की नीति न अपनाते हुए किसी गुट में शामिल हो जाता, तो यह स्वतंत्र विदेश नीति का निर्धारण नहीं कर पाता, क्योंकि इसे अपनी नीति उसी गुट के हित में निर्धारित करनी पडती।

3.सुरक्षा की भावना यदि भारत गुटनिरपेक्षता की नीति को अपनाकर अमेरिकी गुट या सोवियत गुट में शामिल हो जाता, तो इसे उस गुट को सुरक्षा के लिए कार्य करना पड़ता। इससे इसकी अपनी सुरक्षा की समस्या पैदा हो जाती।

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

Ques 37. When India became independent, it was quite backward in economic and political terms. Also, the international conditions were such that India found the policy of non-alignment meaningful. India started the Non-Aligned Movement with the third world countries. The Non-Aligned Movement is a movement of those non-aligned countries, which are trying to fulfill their interests by staying away from bloc politics.

The following are the reasons for India adopting the policy of non-alignment:

1. **Economic reconstruction-** Due to being a victim of colonial exploitation for a long time and the partition of the country, the economy of India had become badly disorganized. In such a situation, it was necessary to develop the country economically and this work could have been done easily without joining any bloc.

2. **Independent policy-making-** If India had joined any bloc by not adopting the policy of non-alignment, then it would not have been able to formulate an independent foreign policy, because it would have had to formulate its policy in the interest of that bloc.

3. **Sense of security** If India had joined the American bloc or the Soviet bloc by adopting the policy of non-alignment, it would have had to work for the security of that bloc. This would have created its own security problem.

अथवा

प्रश्न राज्य की विदेश नीति के लक्ष्य एवं उद्देश्य उसके राष्ट्रीय हितों के आधार पर तय किए जाते हैं। यह बात भारत पर भी लागू होती है। जहाँ तक भारत की विदेश नीति के लक्ष्य एवं उद्देश्यों का प्रश्न है, इस पर

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

विद्वानों की अलग-अलग राय है। भारत की विदेश नीति के जिन उद्देश्यों पर सभी विद्वान सहमत हैं, वे निम्नलिखित हैं-

1. **सुरक्षा**-विदेश नीति के एक उद्देश्य के रूप में सुरक्षा एक स्वयं-सिद्ध तत्व है, क्योंकि यह प्रादेशिक एकता एवं अखण्डता को बनाए रखती है। भारतीय उप-महाद्वीप में जारी राजनीतिक अस्थिरता भारत की सुरक्षा के लिए एक गम्भीर खतरा है। इस दृष्टि से भारत की सुरक्षा मात्र भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण उप-महाद्वीप की सुरक्षा को भी सुनिश्चित करती है। भारत ने हमेशा ऐसी नीतियों का विरोध किया, जिन्होंने इस क्षेत्र की सुरक्षा को कमजोर करने का कार्य किया।

2.आर्थिक विकास-आर्थिक विकास स्वयं एक साध्य है, किन्तु यह लोकतन्त्र को स्थापित एवं सुदृढ़ करने का एक साधन भी है। पं. नेहरू मानते थे कि लोकतन्त्र को सफल बनाने के लिए सुदृढ़ आर्थिक व्यवस्था का होना आवश्यक है। इसके लिए वे योजनाबद्ध आर्थिक विकास को जरूरी मानते थे। आर्थिक विकास के लिए भारत विकसित देशों से तकनीकी एवं पूंजीगत सहायता पर निर्भर करता है। भारत द्वारा गुटनिरपेक्षता की नीति अपनाने का एक कारण यह भी रहा है कि आर्थिक विकास के लिए जिस गुट से भी आर्थिक एवं तकनीकी सहायता मिले, ले ली जाए।

3. **अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति**-भारत अपना विकास शान्तिपूर्ण वातावरण में ही कर सकता है, इसलिए विदेश नीति निर्धारकों ने अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति को प्रोत्साहन देने का कार्य किया है। भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय विवादों के शान्तिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। भारत कश्मीर समस्या को शान्तिपूर्ण समाधान के लिए संयुक्त राष्ट्र में ले गया था।

इनके अलावा, भारतीय विदेश नीति के दो अन्य उद्देश्य भी रहे हैं-

1. **आम जनता को स्वतन्त्रता उपलब्ध कराना**-भारतीय विदेश नीति सदैव इस बात के लिए प्रयासरत रही

है कि आम जनता को स्वतन्त्रता उपलब्ध हो। इसके लिए भारत ने एशिया एवं अफ्रीकी जनता द्वारा छेड़े गए स्वाधीनता आन्दोलनों को समर्थन दिया है और रंग भेद-की नीति का विरोध किया है।

2. **विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के हितों की सुरक्षा**-भारतीय विदेश नीति-निर्माताओं का सदैव यह प्रयास रहा है कि विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों के हित सुरक्षित रहें। यह प्रश्न तब

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

महत्वपूर्ण हो गया, जब अनेक देशों की सरकारों द्वारा भारतीय मूल के लोगों को अयोग्य ठहराया जाने लगा और उनके विरुद्ध कानून बनाए जाने लगे।

Ques The goals and objectives of the foreign policy of the state are decided on the basis of its national interests. This also applies to India. As far as the goals and objectives of India's foreign policy are concerned, scholars have different opinions on this. The objectives of India's foreign policy on which all scholars agree are as follows-

1. **Security**- Security as an objective of foreign policy is a self-evident element, because it maintains territorial unity and integrity. The ongoing political instability in the Indian subcontinent is a serious threat to India's security. From this point of view, India's security is not limited to India alone, but it also ensures the security of the entire subcontinent. India has always opposed such policies which worked to weaken the security of this region.

2. **Economic development-** Economic development is an end in itself, but it is also a means to establish and strengthen democracy. Pt. Nehru believed that a strong economic system is essential to make democracy successful. For this, he considered planned economic development essential. For economic development, India depends on technical and capital assistance from developed countries. One of the reasons for India adopting the policy of non-alignment has also been that economic and technical assistance should be taken from whichever group is available for economic development.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

3. **International peace-** India can develop itself only in a peaceful environment, therefore, foreign policy makers have worked to promote international peace. India has supported peaceful resolution of international disputes. India had taken the Kashmir issue to the United Nations for a peaceful solution. Apart from these, there have been two other objectives of Indian foreign policy-

1. **Providing freedom to the common people-** Indian foreign policy has always strived to provide freedom to the common people. For this, India has supported the freedom movements started by the people of Asia and Africa and has opposed the policy of racial discrimination.
2. **Protection of the interests of people of Indian origin living abroad-** It has always been the endeavour of Indian foreign policy makers to protect the interests of people of Indian origin living abroad. This question became important when the governments of many countries began to disqualify people of Indian origin and started making laws against them.

प्रश्न 38.भारत में क्षेत्रीय आकांक्षाओ की अभिव्यक्ति अनेक रूपो में हुई है। क्षेत्रीय दलो का जन्म क्षेत्रीय आकांक्षाओ की प्रमुख अभिव्यक्ति है। भारत मे क्षेत्रीय दलो की उत्पत्ति एवं विकास के कई कारण रहे हैं; जैसे-

1. **भौगोलिक कारण**-भारत में भौगोलिक दृष्टि से अनेक विभिन्नताएँ देखने को मिलती है। देश की भौगोलिक दशाओ ने कुछ क्षेत्रो को देश के अन्य क्षेत्रो से अलग रखा है। यहाँ तक कि कभी-कभी एक ही राज्य मे अलग-अलग भौगोलिक दशाएँ देखने को मिलती हैं।
2. **धार्मिक कारण** भारत मे अनेक धर्मो के मानने वाले लोग रहते है। प्रायः ऐसा देखने मे आया है कि जब किसी क्षेत्र मे किसी धर्म-विशेष के लोग अधिक संख्या मे होते हैं, तो उनके अन्दर राजनीतिक महत्वाकांक्षाएँ जन्म ले लेती हैं। ऐसे में उस धर्म-विशेष के नेता जन-समर्थन प्राप्त करने के लिए धर्म के आधार पर क्षेत्रीय दलो का गठन कर डालते हैं; जैसे अकाली दल एवं शिव सेना।

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

3. **आर्थिक कारण**-भारत में न केवल स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व, बल्कि इसके बाद भी कुछ क्षेत्रों का विकास अधिक हुआ और कुछ का बहुत कम, क्योंकि जिन राजनीतिज्ञों के हाथ में सत्ता आयी, उन्होंने अपने क्षेत्र के विकास पर पूरा-पूरा ध्यान दिया, जिससे दूसरे क्षेत्र विकास की दौड़ मे पिछड़ गए। बाद में ऐसे क्षेत्रों के लोगों में जागृति आयी और उन्होने अपने क्षेत्र के विकास के लिए क्षेत्रीय दलों का गठन किया। उत्तर प्रदेश में पहाड़ी क्षेत्र के विकास की माँग को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल अस्तित्व में आया था।

Ques 38. Regional aspirations have been expressed in many forms in India. The birth of regional parties is the main expression of regional aspirations. There have been many reasons for the origin and development of regional parties in India; such as-

1. **Geographical reasons-** Many differences can be seen in India from the geographical point of view. The geographical conditions of the country have kept some areas separate from other areas of the country. Even sometimes different geographical conditions can be seen in the same state.
2. **Religious reasons-** People of many religions live in India. It has often been seen that when people of a particular religion are in large numbers in a region, political ambitions are born in them. In such a situation, the leaders of that particular religion form regional parties on the basis of religion to get public support; Like Akali Dal and Shiv Sena
3. **Economic Reasons-** In India, not only before independence, but even after it, some regions developed more and some developed less, because the politicians who came to power, paid full attention to the development of their region, due to which other regions lagged behind in the race of development. Later, the people of such regions became aware and formed regional parties for the development of their region.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

Uttarakhand Kranti Dal came into existence demanding the development of the hilly region in Uttar Pradesh.

अथवा

प्रश्न इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 5 जून, 1984 को अमृतसर स्वर्ण मंदिर परिसर मे की गई सैनिक कार्रवाई से क्षुब्ध होकर 31 अक्टूबर, 1984 को प्रधान मन्त्री इंदिरा गांधी की हत्या उनके अंगरक्षकों द्वारा कर दी गयी थी। क्योंकि उनके दोनो हत्यारे सिक्ख थे. इसलिए अगले दिन देश के विभिन्न भागो मे सिक्ख विरोधी दंगे शुरू हो गए थे, जो तीन दिन तक जारी रहे थे। सिक्ख विरोधी दगो का मुख्य केन्द्र देश की राजधानी दिल्ली था। इन दगों मे सिक्खों के मारे जाने से सिक्ख जनमानस बुरी तरह हिल गया था। ऐसे में सरकार को सिक्ख विरोधी दंगो की जॉच के लिए रंगनाथ मिश्र आयोग का गठन करना पड़ा।

Ques 31 October 1984, Prime Minister Indira Gandhi was assassinated by her bodyguards, enraged by the military action taken by the Indira Gandhi government in the Amritsar Golden Temple complex on 5 June 1984. Since both her assassins were Sikhs, anti-Sikh riots began in various parts of the country the next day, which continued for three days. The main center of anti-Sikh riots was the country's capital Delhi. The Sikh public was deeply shaken by the killing of Sikhs in these riots. In such a situation, the government had to form the Ranganath Mishra Commission to investigate the anti-Sikh riots.

प्रश्न 39. काफी समय से पर्यावरण प्रदूषित होता आ रहा है। पर्यावरण प्रदूषण के लिए जो कारक जिम्मेदार प्रमुख कारक है-

1. **पश्चिमी चिन्तन पर्यावरण** प्रदूषण के लिए पश्चिमी चिन्तन काफी हद तक जिम्मेदार है, क्योंकि इसमें 2 भौतिकवाद को बढ़ावा दिया गया है। पश्चिमी ईसाई समाज इस धार्मिक मान्यता के अनुसार जीवन व्यतीत करता है कि इस पृथ्वी पर जो कुछ भी है. उसको भोगने के लिए ईश्वर ने मानव को भेजा है। इस भौतिकवादी चिन्तन के कारण पश्चिमी समाज ने प्रकृति का अन्धाधुन्ध दोहन किया है।
2. . **जनसंख्या वृद्धि**-पिछले 50-60 वर्षो में विश्व की जनसंख्या में बड़ी तेजी से वृद्धि हुई है। जनसंख्या अधिक होने के कारण अधिक रोटी, कपड़ा एवं मकान की जरूरत पड़ी। इन जरूरतों को पूरा

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

करने के लिए अधिक मात्रा में भूमि, जल, लकड़ी, कच्चा माल एवं खाद्यान्न का प्रयोग किया गया। इससे प्राकृतिक ससाधनों के अन्धाधुन्ध प्रयोग को बढ़ावा मिला।

3. **वनों की कटाई एवं भू-क्षरण** व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वनों की कटाई शुरू हुई, जिससे भू-क्षरण की शुरुआत हुई। वनों की निरन्तर कटाई के कारण बाढ़ का प्रकोप बढ़ा है और जैव-विविधता में कमी आयी है। वनों के कटने से वायुमण्डल में कार्बन-डाइ-ऑक्साइड की मात्रा बढ़ी

है और इससे पर्यावरण प्रदूषित हुआ है।

Ques 39. The environment has been getting polluted for a long time. The main factors responsible for environmental pollution are-

1. **Western thinking** Western thinking is responsible for environmental pollution to a great extent, because it promotes materialism. Western Christian society lives according to the religious belief that whatever is there on this earth, God has sent man to enjoy it. Due to this materialistic thinking, Western society has exploited nature indiscriminately.
2. **Population growth-** In the last 50-60 years, the world's population has increased very rapidly. Due to the high population, there was a need for more food, clothing and shelter. To fulfill these needs, more land, water, wood, raw material and food grains were used. This promoted the indiscriminate use of natural resources.
3. **Deforestation and soil erosion** Deforestation started to fulfill the basic needs of the person. Which started soil erosion. Due to continuous deforestation, the incidence of floods has increased and biodiversity has decreased. Due to deforestation, the amount of carbon dioxide in the atmosphere has increased and this has polluted the environment.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

अथवा

प्रश्न वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषण को लेकर सभी देश चिन्तित हैं। मानव के अस्तित्व की रक्षा के लिए पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाना अति आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाने आवश्यक है-

1. **समग्रवादी जीवन की आवश्यकता** पर्यावरण संरक्षण के लिए भौतिकवादी चिन्तन का परित्याग करना और इसके स्थान पर समग्रवादी चिन्तन पर बल देना जरूरी है। भारतीय चिन्तन ऐसा ही चिन्तन है, जिसमें पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों, वनों एवं नदियों की रक्षा पर बल दिया गया है। अतः पर्यावरण संरक्षण के लिए समग्रवादी भारतीय चिन्तन अपनाना जरूरी है।

2 **जनसंख्या-नियन्त्रण**-विश्व की जनसंख्या बड़ी तेजी से बढ़ रही है। यदि यह इसी गति से बढ़ती रही, तो 2025 आते-आते यह आठ अरब तक पहुँच जाएगी। जनसंख्या वृद्धि अनेक प्रकार से पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ाती है, अतः पर्यावरण संरक्षण के लिए इस पर नियन्त्रण लगाना आवश्यक है।

3.वन एवं वन्य जीव संरक्षण पर्यावरण के संरक्षण के लिए वनों की अंधाधुंध कटाई पर प्रतिबन्ध लगाना जरूरी है, क्योंकि वनों की कटाई से भू-क्षरण एवं बाढ़ आदि का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, वन्य जीवों का संरक्षण भी आवश्यक है, क्योंकि इनके नष्ट होने से प्राकृतिक सन्तुलन बिगड़ जाता है। इसलिए आवश्यक है कि पेड़ों की कटाई और वन्य जीवों के शिकार पर प्रतिबन्ध लगाया जाए।

Ques At present, all countries are concerned about environmental pollution. To protect human existence, it is very important to protect the environment from getting polluted. The following measures are necessary to be taken for environmental protection-

1. **Need for holistic life** For environmental protection, it is necessary to abandon materialistic thinking and instead emphasize on holistic thinking. Indian thinking is one such thinking, in which emphasis has been given on the protection of trees, plants, animals, birds, forests and rivers. Therefore, it is necessary to adopt holistic Indian thinking for environmental protection.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

2 Population control- The world's population is increasing very fast. If it continues to grow at this pace, then by 2025 it will reach eight billion. Population growth increases environmental pollution in many ways, hence it is necessary to control it for environmental protection.

3. Forest and wildlife conservation It is necessary to ban the indiscriminate cutting of forests for the conservation of the environment, because deforestation increases the risk of soil erosion and floods etc. Also, conservation of wildlife is also necessary, because their destruction disturbs the natural balance. Therefore, it is necessary to ban the cutting of trees and hunting of wildlife.

प्रश्न 40. सरल शब्दों में, वैश्वीकरण से हमारा अभिप्राय है- वस्तुओं, विचारों, सेवाओं, एवं पूंजी का देश से दूसरे देश में बिना रोक-टोक प्रवाह। यह तभी संभव है. जब इस प्रकार के प्रवाह या आदान-प्रदान का नियमन किसी अन्तर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा किया जाए। विभिन्न विद्वानों ने वैश्वीकरण को परिभाषित करने का प्रयास किया है।

जैसे- 1. रार्बटसन के शब्दों में, **"वैश्वीकरण विश्व एकीकरण की चेतना के प्रबलीकरण से सम्बन्ध रखने वाली अवधारणा है।"**

2. रिचर्ड फॉक के मतानुसार, **"वैश्वीकरण एक ऐसी अवधारणा है, जो विकसित देशों द्वारा अन्य देशों पर थोपी गयी है। वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण समस्त विश्व एक वैश्विक गाँव में परिवर्तित हो गया है।"**

वैश्वीकरण की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

1. यातायात एवं संचार के साधनों के कारण राज्यों के मध्य भौगोलिक दूरियाँ कम हो गयी हैं, और विश्व एक वैश्विक गाँव बन गया है।
2. इलेक्ट्रोनिक मीडिया की दूर-दराज तक पहुँच के कारण विश्व संस्कृति की स्थापना हुई है। वस्तुतः व्यवहार में विश्व संस्कृति पश्चिमी संस्कृति ही है, जिसका गैर-पश्चिमी देश अनुकरण कर रहे हैं।
3. श्रम बाजार विश्वव्यापी हो गया है। एक देश के लोग रोजगार की तलाश में दूसरे देश में जा रहे हैं। श्रम बाजार की माँग को पूरा करने के लिए श्रम निर्यातक देशों में दलाल एवं एजेन्ट सक्रिय हैं।

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

Ques 40. In simple words, by globalization we mean the unhindered flow of goods, ideas, services and capital from one country to another. This is possible only when such flow or exchange is regulated by an international institution. Various scholars have tried to define globalization.

For example: 1. In the words of Robertson, **"Globalization is a concept related to the strengthening of the consciousness of world integration."**

2. According to **Richard Falk, "Globalization is a concept that has been imposed on other countries by developed countries. Due to the process of globalization, the entire world has turned into a global** village."

The main features of globalization are as follows:

1. Due to the means of transportation and communication, the geographical distances between states have reduced, and the world has become a global village.
2. Due to the far-flung reach of electronic media, world culture has been established. In fact, in practice, world culture is the western culture, which the non-western countries are imitating.
3. The labour market has become global. People of one country are going to another country in search of employment. Brokers and agents are active in labour exporting countries to meet the demand of the labour market.

collegedunia
Scanned with OKEN Scanner

अथवा

प्रश्न वैश्वीकरण के पक्ष में तर्क/वैश्वीकरण का सकारात्मक पक्ष वैश्वीकरण के पक्ष में मुख्यतः निम्नलिखित तर्क दिए जाते हैं-

1. वैश्वीकरण के कारण पूँजी के प्रवाह में वृद्धि हुई है और इसका चलन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हुआ है।
2. वैश्वीकरण के कारण पूँजी प्रवाह में हुई वृद्धि से विकासशील देशों की विश्व बैंक एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी संस्थाओं पर निर्भरता में कमी आयी है।
3. वैश्वीकरण के कारण पिछड़े एवं विकासशील देश उन्नत प्रौद्योगिकी प्राप्त करने में सफल रहे हैं।
4. वैश्वीकरण के कारण विश्व व्यापार में वृद्धि हुई है, जिससे लोगों को उत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुएँ देशी बाजारों में उपलब्ध हो रही हैं।
5. वैश्वीकरण के कारण लोगों को आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध हुए हैं। वैश्वीकरण के विपक्ष में तर्क वैश्वीकरण का नकारात्मक पक्ष-वैश्वीकरण के विपक्ष में मुख्यतः

Question Arguments in favour of globalisation/Positive side of globalisation Mainly the following arguments are given in favour of globalisation-

1. Globalisation has increased the flow of capital and its circulation has become international.

2. Due to the increase in capital flow due to globalisation, the dependence of developing countries on institutions like World Bank and International Monetary Fund has decreased.

3. Due to globalisation, backward and developing countries have been successful in acquiring advanced technology.

4. Globalisation has increased world trade, due to which people are getting high quality goods in the domestic markets.

5. Due to globalisation, people have got better livelihood opportunities. Arguments against globalisation Negative side of globalisation- Mainly the arguments against globalisation

collegedunia

Scanned with OKEN Scanner